Downloaded from www.studiestoday.com

यूनिट 7

मुद्रा और बैकिंग

स्मरणीय बिंदु:

- **मुद्रा :** मुद्रा को ऐसी वस्तु के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। जो विनिमय के माध्यम, मूल्य के मापक, स्थगित भुगतानों के माप तथा मूल्य संचय हेतु, सामान्य रूप से स्वीकार की जाती हो।
- **वस्तु विनिमय प्रणाली :** यह विनिमय की ऐसी प्रणाली है जिसमें वस्तुओं का आदान-प्रदान करके सौदे सम्पन्न किए जाते है।
- **वस्तु विनिमय की कठिनाइयाँ**

  1. आवश्यकताओं के दोहरे संयोग का अभाव
  2. सामान्य मूल्य मापक का अभाव
  3. भावी भुगतान में कठिनाई
  4. मूल्य संचय में कठिनाई
  5. विभाजन में कठिनाई

- **मुद्रा की पूर्ति :** मुद्रा की पूर्ति से अभिप्राय जनता के पास समय के एक निश्चित बिन्दु पर कुल मुद्रा की मात्रा से है।
- **व्यावसायिक बैंक का अर्थ :** व्यापारिक बैंक वह संस्था है जो मुद्रा तथा साख में व्यापार करती है। व्यावसायिक बैंक ऋण प्रदान करने के उद्देशय से जनता से जमाएँ स्वीकार करते हैं।
- **केन्द्रीय बैंक :** एक देश की बैंकिग व वित्तीय प्रणाली में सर्वोच्च संस्था है जो देश के मोद्रिक व बैंकिग ढाँचे का संचालन, नियंत्रण, निर्देशन एवं नियमन करती है।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

मुद्रा के कार्य

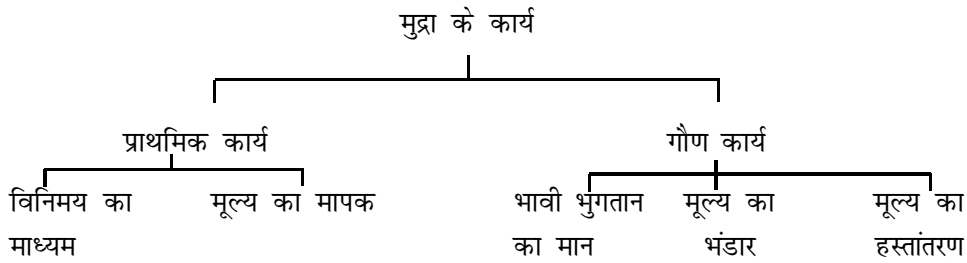

मुद्रा की पूर्ति के माप

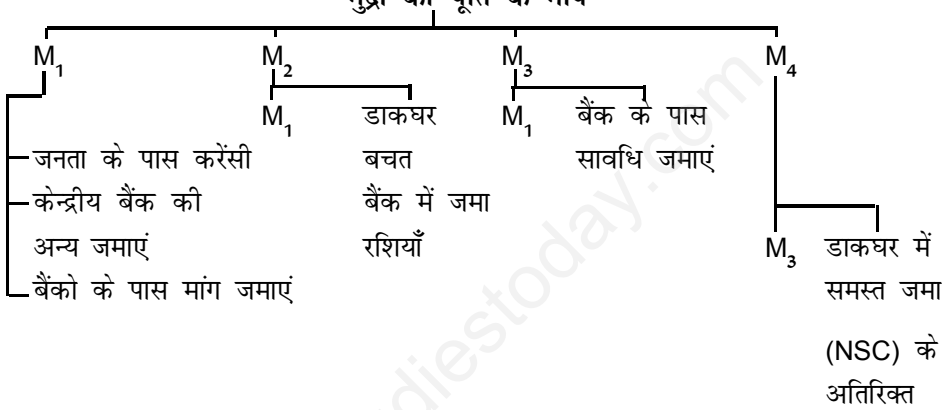

केन्द्रीय बैंक के कार्य

1. नोट निर्गमन का एकाधिकार
2. सरकार का बैंकर
3. बैंको का बैंक तथा निरीक्षक
4. अंतिम ऋणदाता
5. विदेशी विनिमय कोष संरक्षक
6. मुद्रा की पूर्ति एवं साख नियत्रंक

व्यापारिक बैंको द्वारा साख निर्माण/मुद्रा निर्माण

साख निर्माण से तात्पर्य व्यापारिक बैकों की उस शक्ति से है जिसके द्वारा वे प्राथमिक जमाओं का विस्तार करते है।

K=1/R : K = साख गुणांक, R = नकद आरक्षित अनुपात

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

1 अंक वाले प्रश्न

1. मुद्रा को परिभाषित कीजिए
2. M_1 से क्या अभिप्राय है?
3. मुद्रा की पूर्ति से क्या अभिप्राय है?
4. बैंक दर से क्या अभिप्राय है?
5. मुद्रा के दो प्राथमिक कार्यो के नाम लिखिए?
6. साख निर्माण से क्या अभिप्राय है?
7. साख गुणक से क्या अभिप्राय है?
8. केन्द्रीय बैंक के दो कार्य लिखिए?
9. नकद निधि अनुपात *(CRR)* से क्या अभिप्राय है?
10. वैधानिक तरलता अनुपात *(LLR)* से क्या अभिप्राय है?
11. मांग जमा से क्या अभिप्राय है?
12. केन्द्रीय बैंक द्वारा साख नियंत्रण के दो मुख्य मौद्रिक उपाय लिखिए?
13. मुद्रा मापन के विभिन्न यंत्र क्या है?

H.O.T.S. (उच्च स्तरीय बुद्धि कौशल)

14. ऋण की सीमांत आवश्यकता से क्या अभिप्राय है?

3-4 अंक वाले प्रश्न

1. मूल्य की इकाई के रूप में मुद्रा के कार्य की व्याख्या कीजिए।
2. मुद्रा किस प्रकार आवश्यकताओं के दोहरे संयोग के अभाव की समस्या का समाधान करती है।
3. 'मूल्य संचय' के रूप मे मुद्रा के कार्य का वर्णन कीजिए।
4. खुले बाजार की प्रक्रियाएं क्या है? साख की उपलब्धता पर इसका क्या प्रभाव पड़ता है?
5. अंतिम ऋणदाता के रूप में केन्द्रीय बैंक के कार्य का वर्णन कीजिए।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

6. SLR व CRR में अंतर स्पष्ट कीजिए। ये साख नियन्त्रण में क्या भूमिका निभाते है।
7. सरकार का बैंकर के रूप में केन्द्रीय बैंक के कार्य लिखिए।
8. मुद्रा के किन्ही चार कार्यो को लिखिए।
9. मुद्रा के स्थगित भुगतान का मापक कार्य का वर्णन कीजिए।

H.O.T.S. (उच्च स्तरीय बुद्धि कौशल)

10. वैधानिक तरलता का अनुपात क्या है, इसकी दर में वृद्धि का साख निर्माण पर क्या प्रभाव पड़ता है? वर्णन कीजिए।
11. केन्द्रीय बैंक के कार्यो 'मुद्रा जारी करना' तथा 'साख का नियत्रंण' का वर्णन कीजिए।
12. बैंक दर में वृद्धि के व्यापारिक बैंको द्वारा किये जाने वाले साख निर्माण पर प्रभाव समझाइए।
13. खुले बाजार की क्रियाएं साख निर्माण को कैसे प्रभावित करती है? वर्णन कीजिए।

6 अंक वाले प्रश्न

1. केन्द्रीय बैंक को परिभाषित कीजिए तथा इसके प्रमुख कार्यो का वर्णन कीजिए।
2. मुद्रा के किन्ही चार कार्यो की व्याख्या कीजिए।
3. वाणिज्यिक बैंक द्वारा साख निर्माण/मुद्रा निर्माण की प्रक्रिया की व्याख्या संख्यात्मक उदाहरण की सहायता से कीजए।
4. वाणिज्यिक बैंको द्वारा किए जाने वाली साख निर्माण को केन्द्रीय बैंक खुली बाजार कार्यवाही द्वारा कैसे प्रभावित करता है?

1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. कोई भी वस्तु जो मूल्य के मापन, विनिमय के माध्यम मूल्य के संचय तथा स्थगित भुगतानों के मान के रूप में निसंकोच स्वीकार की जाए।
2. M_1 : जनता के पास नगद करैंसी + केन्द्रीय बैंक की अन्य जमाएं + बैंको के पास मांग जमाएं
3. मुद्रा पूर्ति से आशय किसी एक दिए हुए समय में अर्थव्यवस्था में जनता के पास मुद्रा की कुल मात्रा से है।
4. वह दर है जिस पर व्यापारिक बैंक केन्द्रीय बैंक से ऋण लेता है?

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

5. 1. विनिमय का माध्यम 2. मूल्य का मापक

6. साख निर्माण से तात्पर्य बैंको की मांग जमाओं के विस्तार की शक्ति से है।

7. साख गुणक यह मापता है कि निक्षेपों के कितना गुणा साख निर्माण किया जा सकता है।

साख गुणक = 1/CRR

8. (अ) मुद्रा जारी करना (ब) साख का नियन्त्रण करना

9. प्रत्येक व्यापारिक बैंक को अपने पास जमा राशियों का एक निश्चित अनुपात केन्द्रीय बैंक के पास कानूनन जमा करना होता है जिसे नकद कोष अनुपात (CRR) कहते है।

10. व्यापारिक बैंको को अपनी कुल संपत्ति का एक निश्चित प्रतिशत तरल रूप में या प्रतिभूतियों के रूप में रखना पड़ता है जिसे वैधानिक तरलता अनुपात कहते है।

11. मांग जमा ऐसी जमाएँ है जिनका आहरण चैक की सहायता से किया जा सकता है।

12. (अ) बैंक दर नीति

(ब) खुले बाजार की क्रियाएं

13. भारत में मुद्रा पूर्ति के निम्न वैकल्पिक मापों का प्रयोग किया जाता है।

M_1 = C+DD+OD

M2 = M1+ डाकघर बचत बैंक में जमा

M3 = M1+ बैंको के पास शुद्ध सावधि जमाएं

M4 = M3+ डाकघर बचत संगठनों में समस्त जमा राशियाँ (NSC को छोड़कर)

H.O.T.S.

14. व्यापारिक बैंक द्वारा प्रतिभूति की जमानत पर दिए गए ऋण तथा प्रतिभूति के वास्तविक मूल्य के अंतर को ऋण की सीमांत आवश्यकता कहा जाता है।

Downloaded from www.studiestoday.com